## खबर संक्षेप

### धान व मोटा अनाज उपार्जन हेतु कृषक पंजीयन 10 तक

**शहडोल।** जिला आपूर्ति नियंत्रक विपिन पटेल ने बताया कि खरीफ उपार्जन वर्ष 2025-26 के लिए समर्थन मूल्य पर धान व मोटा अनाज (ज्वार, बाजरा) का कृषक पंजीयन 15 सितंबर से 10 अक्टूबर 2025 तक किया जा रहा है। जिले में 38 निःशुल्क पंजीयन केंद्र तहसील, जनपद व पंचायत स्तर पर संचालित हैं। किसान पंजीयन के लिए खसरा/बी-1, आधार, समग्र आईडी, मोबाइल नंबर व बैंक खाता अनिवार्य है। साथ ही किसान एमपी ऑनलाइन, सीएससी या साइबर कैफे पर 50 रुपये शुल्क देकर भी पंजीयन करा सकते हैं।

### कलेक्टर ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समय पर सेवाएं देने के दिए निर्देश

**शहडोल।** कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने समय-सीमा की बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत चिन्हित सेवाओं के आवेदनों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में किया जाए। उन्होंने विभागवार समीक्षा करते हुए जनपद सीईओ व नगर पालिका अधिकारियों को लंबित ई-केवाईसी कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही समाधान ऑनलाइन में अक्टूबर माह के लंबित प्रकरणों के निराकरण पर जोर दिया। कलेक्टर ने विभागों के न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा कर समय पर जवाब प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए।

### टिहकी नदी और घी बड़ा में मिले दो शव, पुलिस जांच में जुटी

**शहडोल।** जिले में मंगलवार को दो अलग-अलग स्थानों पर शव मिलने से सनसनी फैल गई। पहला मामला ब्यौहारी थाना क्षेत्र के अंतर्गत टिहकी नदी के पास का है, जहां 45 वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में हडक़ंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान गांव निवासी शिव प्रसाद कोल पिता स्व. शिरोमणि उम्र 45 वर्ष के रूप में की गई है।थाना प्रभारी ने बताया कि शव टिहकी नदी के किनारे मिला, जिसे सबसे पहले स्थानीय ग्रामीणों ने देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। मृतक के शरीर पर किसी भी प्रकार की गंभीर चोट के निशान नहीं मिले हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि शिव प्रसाद कोल शराब का आदी था और अक्सर नशे की हालत में नदी किनारे सो जाता था। परिजन मजदूरी के लिए दूसरे जिले गए हुए हैं और मृतक पिछले कुछ दिनों से घर पर अकेला रह रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत का वास्तविक कारण पीएम रिपोर्ट के बाद स्पष्ट हो सके।दूसरी घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के घी बड़ा की है, जहां एक अज्ञात व्यक्ति का शव संदिग्ध अवस्था में मिला है। मृतक की उम्र लगभग 45 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार शव शौच करते समय सुनसान स्थान पर पड़ा मिला, जो देखने से तीन से चार दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। शव से दुर्गंध आने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। दोनों मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। टिहकी और घी बड़ा दोनों क्षेत्रों में घटनाओं से लोगों में भय और जिज्ञासा का माहौल है, जबकि पुलिस का कहना है कि दोनों मौतों के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद किया जाएगा।

### ठंडे बस्ते में सिविल अस्पताल में महिला से अभद्रता का मामला

# बीएमओ पर कार्रवाई न होना प्रशासनिक उदासीनता का प्रतीक

### महिला विधायक-सांसद की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर सिविल अस्पताल में महिला के साथ डॉक्टर द्वारा की गई अभद्रता और मारपीट का मामला अब भी ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ है। यह मामला 11-12 अगस्त 2025 की रात का है, जब ग्राम टेटका निवासी हेतराम सिंह, बिहारी सिंह और श्रीमती मुन्नीबाई गोंड अपनी रिश्तेदार प्रसूता देववती सिंह को लेकर अस्पताल पहुंचे थे। प्रसव पीड़ा के चलते भर्ती की गई महिला के परिजनों के साथ सिविल अस्पताल में पदस्थ बीएमओ डॉ. आनंद पटेल और उनके साथियों ने शराब के नशे में मारपीट, गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार किया था। पीड़ित पक्ष ने 14 अगस्त को कलेक्टर को इस संबंध में विस्तृत शिकायत सौंपी थी।

### यह थी शिकायत

शिकायत में बताया गया था कि डॉ. आनंद पटेल अपने 5-6 साथियों के साथ अस्पताल पहुंचे और हेतराम व बिहारीलाल को लात-घूंसों से पीटा। जब मुन्नीबाई गोंड ने बीच-बचाव किया तो उसके साथ भी हाथापाई की गई। इस घटना का सबसे शर्मनाक पहलू यह था कि जब पीड़ित रिपोर्ट दर्ज कराने थाना जयसिंहनगर पहुंचे, तो वहां भी डॉ. पटेल पहले से मौजूद थे। थाना प्रभारी ने डॉक्टर के पक्ष में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाते हुए रिपोर्ट लिखने के बजाय पीड़ितों से सादे कागज पर हस्ताक्षर करा लिए और उन्हें थाने से भगा दिया।

### क्यों बंद है सीसीटीवी कैमरे

घटना के दौरान अस्पताल परिसर के सभी सीसीटीवी कैमरे बंद थे और आश्चर्य की बात यह है कि आज तक वे कैमरे चालू नहीं किए गए हैं। इससे संदेह और गहरा हो गया है कि कहीं पूरे मामले को जानबूझकर दबाया तो नहीं जा रहा। सवाल यह भी उठ रहे हैं कि आखिर सीसीटीवी कैमरे उस रात ही क्यों बंद थे और अगर तकनीकी खराबी थी, तो इतने दिनों बाद भी उसकी मरम्मत क्यों नहीं की गई?

### मनमानी और सत्ता संरक्षण

पीड़ित परिवार अब भी न्याय की राह देख रहा है। उनका कहना है कि कलेक्टर कार्यालय में शिकायत किए लगभग एक महीना बीतने को है, लेकिन न तो प्रशासन ने कोई जांच शुरू की, न ही बीएमओ के खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि जयसिंहनगर सिविल अस्पताल भ्रष्टाचार, मनमानी और सत्ता संरक्षण का अड्डा बन चुका है।

**आखिर महिला सुरक्षा चुप्पी क्यों :** महिला से अभद्रता जैसे गंभीर मामले में महिला जनप्रतिनिधियों की चुप्पी भी जनता के बीच सवालों के घेरे में है। जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र की महिला विधायक और क्षेत्र की महिला सांसद दोनों ही अब तक इस पूरे प्रकरण पर मौन हैं। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान की बात करने वाली राजनीति, यहां एक महिला के साथ हुए अन्याय पर चुप क्यों है? यह सवाल अब जनचर्चा का विषय बन गया है।

### स्वास्थ्य विभाग के मुखिया भी चुप

वहीं दूसरी ओर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की चुप्पी भी यह दर्शाती है कि वे इस पूरे मामले को लेकर गंभीर नहीं हैं। बीएमओ पर कार्रवाई न होने से डॉक्टरों और कर्मचारियों में भी संदेश जा रहा है कि सत्ता संरक्षण प्राप्त अधिकारियों के खिलाफ कुछ भी कहना या करना बेअसर है। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया है कि जयसिंहनगर अस्पताल में लंबे समय से अनुशासनहीनता, दबंगई और अव्यवस्था का माहौल है। मरीजों और परिजनों के साथ दुर्व्यवहार आम बात बन चुकी है। दवाइयों की कमी, फर्जी बिलिंग, कमीशनखोरी और अनियमितताओं की शिकायतें लगातार उठती रही हैं, लेकिन हर बार जांच के नाम पर फाइलें ठंडी कर दी जाती हैं।

### कलेक्टर से न्याय की आस

जनता का कहना है कि अगर यह घटना किसी सामान्य व्यक्ति की जगह किसी अधिकारी या नेता के परिजन के साथ होती, तो अब तक आधे जिले का प्रशासन बदल गया होता, लेकिन गरीब आदिवासी परिवार के साथ हुए अन्याय को लेकर शासन-प्रशासन की खामोशी इस बात की गवाही दे रही है कि न्याय सिर्फ कागजों में सीमित रह गया है। अस्पताल प्रबंधन, पुलिस विभाग और प्रशासन तीनों की लापरवाही और मिलीभगत ने यह साफ कर दिया है कि जयसिंहनगर में डॉक्टर से लेकर थाना तक, सब कुछ सिस्टम की ढाल के नीचे सुरक्षित है। पीड़ित परिवार अब उम्मीद लगाए बैठा है कि कलेक्टर और उच्च अधिकारी कम से कम अब इस मामले में संज्ञान लेकर दोषी बीएमओ पर कड़ी कार्यवाही करें, ताकि भविष्य में कोई भी अधिकारी इस तरह से आमजन के साथ अन्याय करने का दुस्साहस न कर सके।

# गुड गवर्नेंस से ग्रेट रिजल्ट की दिशा में बढ़े प्रदेश: मुख्यमंत्री

### कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में दिया विकास और पारदर्शिता का मंत्र

**शहडोल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि शासन का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और कल्याण की किरण पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि गुड गवर्नेंस से ही ग्रेट रिजल्ट प्राप्त किए जा सकते हैं। मुख्यमंत्री मंगलवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ कर अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। डॉ. यादव ने लोक सेवकों से कहा कि वे पूरी निष्ठा, प्रतिभा और समर्पण के साथ जनता तक योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे फील्ड दौरों में स्कूल, छात्रावास, राशन दुकान, अस्पताल और निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण करें तथा जनता व जनप्रतिनिधियों से आत्मीय संवाद बनाए रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ 2028 मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को विश्व पटल पर लाने का अवसर है। उन्होंने कृषि, शिक्षा, सिंचाई और नवाचार पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।मुख्य सचिव अनुराग जैन ने बताया कि विकसित मध्यप्रदेश 2047 विजन डॉक्यूमेंट शीघ्र लॉन्च होगा, जो प्रधानमंत्री के विजन से प्रेरित है। कॉन्फ्रेंस में 8 समूहों में चर्चा कर शासन की प्राथमिकताओं पर कार्ययोजना तय की गई। इस अवसर पर सभी वरिष्ठ अधिकारी, कमिश्नर, कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ उपस्थित रहे।

# 180 शीशी अवैध कफ सिरप सहित तीन गिरफ्तार

**शहडोल। जिले के देवलोंद थाना क्षेत्र अंतर्गत मंगलवार रात्रि करौंदिया तिराहा के पास एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सुजुकी ईको वैन एमपी-18-जेबी-8608 से 180 शीशी अवैध अनरेक्स कफ सिरप बरामद की है। थाना प्रभारी सुभाष दुबे ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि वैन में तीन युवक नशीला कफ सिरप लेकर ब्यौहारी क्षेत्र की ओर जा रहे हैं।**

सूचना पर थाना प्रभारी सुभाष दुबे के नेतृत्व में आरक्षक चित्रांशु शुक्ला, शिवेष त्रिपाठी, दीपक रावत, राजबिहारी पटेल और शैलेन्द्र सिंह की टीम ने घेराबंदी कर वाहन को पकड़ा। पुलिस ने वैन से दीपक लेखरा (सतना), राजेन्द्र लखेरा (मऊ, थाना ब्यौहारी) और राजेन्द्र खैरवार (खांमडाड, ब्यौहारी) को गिरफ्तार किया। जप्त सामग्री की अनुमानित कीमत 36,270 रुपए तथा वाहन की कीमत करीब 4 लाख रुपए आंकी गई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि दीपक लेखरा पन्ना जिले के देवेनाथ फार्मा से अवैध रूप से कफ सिरप खरीदता था और इसे ब्यौहारी व आसपास के क्षेत्रों में आपूर्ति करता था। जबकि राजेन्द्र लखेरा और राजेन्द्र खैरवार इस नेटवर्क में स्थानीय वितरणकर्ता के रूप में शामिल थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

# बिजली आउटसोर्स कर्मी धनतेरस से दीपावली तक काम बंद आंदोलन पर

**शहडोल।** मध्यप्रदेश में बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों ने धनतेरस से दीपावली तक काम बंद आंदोलन की घोषणा की है। इसे लेकर शहडोल से बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव एवं जिला अध्यक्ष मुकेश कुमार यादव, उपाध्यक्ष राजमणि तिवारी और सचिव संतोष कुमार प्रजापति के नेतृत्व में बिजली सेक्टर से ठेकेदारी भगाओ और रिक्त पदों पर आउटसोर्स कर्मियों को बैठाओ यात्रा की शुरुआत की गई।

कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में राज्य की सभी छह बिजली कंपनियों में 49,263 रिक्त पदों पर अनुभवी आउटसोर्स कर्मियों की विभागीय परीक्षा के माध्यम से भर्ती, भविष्य में सीधी भर्ती में 50 प्रतिशत पद आउटसोर्स कर्मियों को आरक्षित करना, बोनस 8.33 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करना, न्यूनतम वेतन आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए केंद्र सरकार के समान करना और एडिशनल वेजेस की राशि का समय पर भुगतान शामिल है। साथ ही ठेकेदारी प्रथा समाप्त कर आउटसोर्स रिफॉर्म नीति लागू करने, बिजली कंपनी का निजीकरण रोकने, अनुभवी कर्मचारियों को अतिरिक्त भत्ता देने और कंप्यूटर एवं सब स्टेशन ऑपरेटरों को उच्च कुशल श्रेणी का वेतन देने की भी मांग की गई है।

कर्मचारियों ने यह भी कहा कि विद्युत दुर्घटना में मृतक और विकलांग कर्मचारियों के परिजनों को बिना शर्त मुआवजा और अनुकंपा नियुक्ति मिले। 62 वर्ष तक आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवा जारी रहे, तथा ट्रांसफर और मेडिकल/राष्ट्रीय छुट्टियों के लिए उचित नियम लागू हों। इसके अतिरिक्त ठेकेदारों की बैंक गारंटी बढ़ाकर समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

शहडोल में कई अनुभवी आउटसोर्स कर्मचारियों को 45 वर्ष की उम्र में नौकरी से बाहर कर दिया गया है, जबकि ठेकेदारी टेंडर में रिटायर्ड उम्र 50 से 55 वर्ष निर्धारित थी। इसमें शहर के मीटर रीडर मुकेश कुमार यादव, उपाध्यक्ष राजमणि तिवारी और सचिव दिवाकर सिंह शामिल हैं। संगठन ने इसे अधिकारियों द्वारा प्रताडऩा और दुर्भावना बताया है।

प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव ने चेतावनी दी कि यदि सरकार आउटसोर्स कर्मचारियों की मांगें नहीं मानेगी, तो धनतेरस से दीपावली तक समुचित अवकाश लेकर सामूहिक आंदोलन किया जाएगा। संगठन का कहना है कि यह आंदोलन बिजली क्षेत्र में आउटसोर्स कर्मियों के अधिकारों और स्थायी नियुक्ति की मांग को लेकर निर्णायक होगा।

इस यात्रा और आंदोलन ने शहडोल सहित पूरे प्रदेश में बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों के मुद्दों को जोरदार तरीके से सार्वजनिक किया है, और प्रशासन के लिए इसे गंभीरता से लेने का संदेश दिया है।

# अध्यक्ष पति की दबंगई से कर्मचारियों में दहशत

**शहडोल।** जिले के ब्यौहारी जनपद पंचायत कार्यालय में अध्यक्ष पति बीपेन्द्र उर्फ प्रीतू सिंह की दबंगई और मनमानी ने कर्मचारियों की जिंदगी को मुश्किल बना दिया है। कर्मचारियों का आरोप है कि प्रीतू सिंह न केवल विकास कार्यों में अधिकारियों और कर्मचारियों पर दबाव बनाते हैं, बल्कि उनका उद्देश्य अपने राजनीतिक और व्यक्तिगत हित साधना है। विरोध करने पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकियाँ देने का सिलसिला जारी है।

उपयंत्री प्रभारी एसडीओ मनरेगा विजय सिंह ने थाना ब्यौहारी में लिखित शिकायत दी है कि 29 सितंबर को दोपहर लगभग 2:45 बजे प्रीतू सिंह उनके कार्यालय में घुसकर अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगे। उन्होंने अपनी बहन-मां और जातिसूचक गालियों से धमकाते हुए जान से मारने की धमकी दी। विवाद से बचने के लिए जब उपयंत्री कार्यालय से बाहर निकले तो प्रीतू सिंह पोर्च में खड़े होकर गाली-गलौज करते हुए मारने की कोशिश करने लगे और गाड़ी से हथियार निकालने का संकेत भी दिया। इस दौरान कार्यालय में मौजूद अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर घटना को रोकने की कोशिश की। शिकायत में यह भी कहा गया है कि प्रीतू सिंह लगातार अपनी अध्यक्ष पत्नी आकांक्षी सिंह को कर्मचारियों पर दबाव बनाने के लिए उकसाते रहते हैं। वे ग्राम पंचायतों में हो रहे कामों में दखल देकर गलत कार्य करने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों पर दबाव डालते हैं। इस तरह की दबंगई के कारण विभागीय अमला लगातार तनाव में है और कार्य प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि अध्यक्ष पति का दबंग रवैया नई बात नहीं है। पत्नी के जनपद अध्यक्ष बनने से पहले ही उनका नाम अवैध रेत उत्खनन और अन्य गलत कार्यों में जुड़ा रहा है। कुछ ही दिन पहले जनपद कार्यालय के सभागार में प्रीतू सिंह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वे अपने साथी के साथ शराब पीते हुए नजर आए। इस घटना ने उनकी हठधर्मी और कर्मचारियों पर दमन की प्रवृत्ति को और अधिक स्पष्ट कर दिया है।

मध्य प्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन शहडोल ने इस मामले पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा है। एसोसिएशन ने आग्रह किया है कि दबंग जनपद अध्यक्ष पति के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए और विभागीय कार्य करने वाले अभियंताओं और कर्मचारियों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

कर्मचारियों का कहना है कि राजनीतिक संरक्षण मिलने के कारण प्रीतू सिंह के हौसले बुलंद हैं और बिना प्रशासनिक हस्तक्षेप के जनपद कार्यालय में किसी भी अधिकारी या कर्मचारी की सुरक्षा असंभव है। विभागीय अमला अब अधिकारियों से तत्काल कार्यवाही की उम्मीद कर रहा है, ताकि कार्यालय में कार्य करने का सुरक्षित और तनावमुक्त माहौल बनाया जा सके।

### इनका कहना है...

जनपद अध्यक्ष पति द्वारा नियम विरुद्ध गलत काम करने के लिए दबाव बनाया जाता है और महिला अध्यक्ष को आगे कर गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी जाती है। जिसकी शिकायत थाने में की गई, लेकिन राजनैतिक दबाव के चलते थाने में अभी तक मामला पंजीबद्ध नहीं हो सका।

**विजय सिंह**
**उपयंत्री**
**जनपद पंचायत ब्यौहारी**

जनपद अध्यक्ष द्वारा उपयंत्री से रजिस्टर मांगा गया, जो देने में आनाकानी की जा रही थी। जिसके कारण अध्यक्ष की उपयंत्री से बातचीत हुई थी। जिसकी शिकायत भी थाने में अध्यक्ष द्वारा की गई है।

**प्रीतू सिंह**
**अध्यक्ष पति**

### समाजसेवा की पेश की मिसाल

# दिव्यांग बच्चों संग वी क्लब शहडोल ग्रेट ने मनाया शरदोत्सव

**शहडोल।** समाजसेवा और संवेदनशीलता की अनूठी मिसाल पेश करते हुए वी क्लब शहडोल ग्रेट ने अध्यक्ष हेमू गुप्ता के नेतृत्व में दिव्यांग बच्चों के साथ शरदोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में क्लब की डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट मनीषा सोनी, मेडिकल कॉलेज की एचओडी डॉ. प्राणदा शुक्ला एवं पार्षद कमला जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस आयोजन का उद्देश्य समाज के विशेष बच्चों को प्रेम, सम्मान और खुशियों का अहसास कराना था।कार्यक्रम की शुरुआत दृष्टिबाधित बालक अक्षांश पटेल के मधुर गायन से हुई, जिसने अपने स्वर से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके बाद दृष्टिबाधित नायिका सीमा नामदेव ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से सभी का दिल जीत लिया। उनकी प्रस्तुति ने यह संदेश दिया कि दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास से कोई भी कमी व्यक्ति के सपनों की राह में बाधा नहीं बन सकती। क्लब ने अपने प्रमुख प्रोजेक्ट 'हंगर रिलीफ' के तहत सभी दिव्यांग बच्चों को पूड़ी, सब्जी, खीर और मिठाई परोसी। साथ ही बिस्कुट, चॉकलेट और जूस के पैकेट भी वितरित किए गए, जिससे बच्चों के चेहरों पर मुस्कान खिल उठी।

आयोजन की जिम्मेदारी क्लब की सक्रिय सदस्याएं पूनम रस्तोगी, नीलम रस्तोगी और संगीता शुक्ला ने संभाली। उन्होंने बच्चों के साथ समय बिताया, उन्हें प्रोत्साहित किया और स्नेहपूर्वक सम्मानित किया। मुख्य अतिथियों ने वी क्लब की इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मकता और संवेदनशीलता को बढ़ावा देते हैं तथा यह याद दिलाते हैं कि सेवा का वास्तविक अर्थ किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना है। कार्यक्रम का समापन मनोहारी राधा-कृष्ण नृत्य प्रस्तुति से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को भक्ति और उल्लास से भर दिया। अंत में अध्यक्ष हेमू गुप्ता ने सभी अतिथियों, सदस्यों और बच्चों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी समाजसेवा के और प्रभावी कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई।

### आतिशबाजी विक्रय को लेकर कलेक्टर के निर्देश जारी

**शहडोल।** कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. केदार सिंह ने दीपावली पर्व 2025 के मद्देनजर जिले में आतिशबाजी विक्रय को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निर्देशानुसार उपखंड मजिस्ट्रेट अपने-अपने क्षेत्रों में पूर्व में प्रचलित लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं करेंगे। नए आवेदन ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से प्राप्त कर थाना प्रभारी के संयुक्त प्रतिवेदन सहित कलेक्टर कार्यालय को भेजे जाएंगे। शहडोल शहर के लिए सुरक्षित स्थान का चयन एसडीएम सोहागपुर, नगर पालिका, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य अधिकारियों द्वारा कर ले-आउट 15 अक्टूबर तक स्वीकृत कराया जाएगा। स्वीकृत ले-आउट के अनुसार दुकानों का आवंटन नगरीय निकाय एवं एसडीएम द्वारा किया जाएगा। आतिशबाजी विक्रय के लिए अस्थायी अनुज्ञप्तियाँ 15 से 20 अक्टूबर 2025 तक जारी की जाएंगी। दुकानों के बीच कम से कम 3 मीटर की दूरी अनिवार्य होगी और सभी शेड अग्निरोधी सामग्री से बनाए जाएंगे। लकड़ी, कपड़ा या शामियानों का उपयोग वर्जित रहेगा। नाबालिगों को आतिशबाजी बेचना प्रतिबंधित होगा।

विक्रय स्थल पर बालू-पानी की बाल्टियाँ, फायर ब्रिगेड की व्यवस्था और सुरक्षित प्रकाश व्यवस्था अनिवार्य होगी। किसी भी समूह में 50 से अधिक दुकानें स्वीकृत नहीं की जाएंगी तथा शॉर्ट सर्किट से बचाव के लिए सभी शेड में फ्यूज या सर्किट ब्रेकर लगाए जाएंगे।

## खबर संक्षेप

### आज स्टैडिंग कमेटी की बैठक

**उमरिया।** मप्र राज्यन निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नगर पालिकाओं की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का प्रारूप प्रकाशन 8 अक्टूबर को किया जाना है । जिसके संबंध में स्टैडिंग कमेटी की बैठक 8 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से आयोजित की गई है । बैठक में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलो के पदाधिकारियों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

### दूध समृद्धि संपर्क अभियान के तहत सर्वे का किया गया भौतिक सत्यापन

**उमरिया।** उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डा के के पांडे ने बताया कि दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तहत विकासखंड पाली के वार्ड क्रमांक एक में किए गए सर्वे का भौतिक सत्यापन किया गया । इस अवसर पर पशु पालक ललिता यादव से गृह भेंट कर उन्हें नस्ल सुधार, सेक्स सॉर्टेड सीमेन,पशु पोषण,पशु स्वास्थ्य आदि के बारे में जानकारी दी गई।इस दौरान स्टेट नोडल अधिकारी डॉक्टर कमल सिंह,विकासखंड पशु चिकित्सा अधिकारी पाली डॉक्टर डीपी द्विवेदी ,डॉक्टर इंद्रजीत सिंह धुर्वे पशु प्रजनन अधिकारी,एवं सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी सुरेंद्र उपस्थित रहे।

### गिरधारी जायसवाल बने कलचुरी संवर्गीय महासभा के महामंत्री

**हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।** पर्यटन केंद्र एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पावन पवित्र नगरी अमरकंटक में विगत दिनों मध्य प्रदेश कलचुरी संवर्गीय महासभा की विशेष बैठक का आयोजन। स्थानीय मृत्युंजय आश्रम के सभा हाल में संपन्न हुआ उक्त आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में अनूपपुर जिले के विभिन्न अंचलों से कलचुरी समाज के लोगों ने बैठक में हिस्सा लिया उक्त आयोजित बैठक में अनूपपुर जिला कलचुरी महासभा की कार्यकारिणी का विधिवत गठन किया गया। कलचुरी महासभा की जिला स्तरीय कार्यकारिणी में निम्मी अध्यक्ष के रूप में राजेंद्र ग्राम पुष्पराजगढ़ के ज्ञानचंद जायसवाल अध्यक्ष मनोनीत हुए तो पावन पवित्र नगरी अमरकंटक के वरिष्ठ तथा कर्मठ समाजसेवी गिरधारी जायसवाल को कार्यकारिणी में महामंत्री का पद दायित्व सोपा गया तथा अमरकंटक नगर के संतोष जायसवाल अवधेश जायसवाल तथा विशाल जायसवाल को कार्यकारिणी सदस्य नामांकित किया गया है। गिरधारी जायसवाल को महामंत्री तथा संतोष जायसवाल अवधेश जायसवाल विशाल जायसवाल को सदस्य नामांकित किए जाने में अमरकंटक नगर के गणमान्य नागरिको जनप्रतिनिधियों समाजसेवी जनों उनकी इस नियुक्ति पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है। बधाई एवं शुभकामनाएं देने वालों में प्रमुख रूप से आदर्श जायसवाल रोहिणी प्रसाद जायसवाल विवेक जायसवाल संजय जायसवाल आदित्य जायसवाल सतीश जायसवाल डीके जायसवाल मनीष जायसवाल बसंत जायसवाल कृष्ण कुमार शिवहरे शिवहरे शिवहरे पत्रकार मित्र धनंजय तिवारी दुर्गेश अग्रवाल श्याम लाल का श्यामलाल सेन नरेंद्र सोनी देवानंद खत्री आदि सभी शामिल है।

## पंचायत का समग्र आईडी घोटाला

# सचिव ने बनाई भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला

### पत्नी के नाम पर हेराफेरी कर उड़ाए लाखों

**शहडोल। सरकार चाहे जितनी डिजिटल पारदर्शिता का दावा करे, लेकिन ज़िले की ग्राम पंचायतों में समग्र आईडी जैसी योजना भी भ्रष्टाचार के शिकंजे से नहीं बच पाई है। यहां के बराछ पंचायत सचिव ओमप्रकाश द्विवेदी ने तो समग्र आईडी प्रणाली को ही अपना निजी बैंक खाता बना डाला है।**

बराछ पंचायत में 30 जून 2025 को पांचवें वित्त आयोग के तहत 12 लाख 20 हजार 857 रुपये की राशि से सीसी सडक़ निर्माण स्वीकृत हुई थ, सडक़ बरा तिराहा से रामानुज पटेल के घर तक बननी थी, लेकिन ग्रामीणों के अनुसार सडक़ बनने से पहले ही सचिव द्विवेदी ने लगभग 6 लाख रुपये की राशि अग्रिम निकाल ली। आज भी उस सडक़ पर गड्ढे हैं, लेकिन सचिव के दफ्तर और घर में समृद्धि की चमक साफ झलक रही है।

### फर्जी फर्म और डिजिटल फरेब का गठजोड़

बराछ पंचायत में अधिकांश योजनाओं के भुगतान श्रीधर ट्रेडर्स नामक फर्म के माध्यम से किए जा रहे हैं, लेकिन जांच करने पर यह फर्म धरातल पर कहीं नहीं मिली। ग्रामीणों का कहना है कि यह फर्म दरअसल उपसरपंच के परिवार की परछाई है, जिसके जरिये सचिव ओमप्रकाश द्विवेदी ने पंचायत के बजट पर कब्जा जमा रखा है। पंचायत दर्पण पोर्टल पर अपलोड की गईं तस्वीरें और बिल महज दिखावे के लिए हैं, अधूरे कामों की रंगीन तस्वीरें, फर्जी माप पुस्तिकाएँ और डिजिटल दस्तावेज़ों के ज़रिए पारदर्शिता का भ्रम पैदा किया जा रहा है।

### समग्र आईडी का खेल

सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह है कि सचिव ओमप्रकाश द्विवेदी ने अपनी पत्नी मीना द्विवेदी के नाम पर भी योजनाओं का लाभ लेने का एक अनोखा खेल रचा। सूत्र बताते हैं कि सचिव ने तकनीकी हेराफेरी करके अपनी पत्नी की मग्र आईडी को अलग कर

बलौड़ी पंचायत में दर्ज करा दिया। कानून के अनुसार, ऐसा केवल तलाक या स्थायी निवास परिवर्तन की स्थिति में संभव है, लेकिन यहां मामला था भ्रष्टाचार का नया रास्ता खोलने का। मीना द्विवेदी को अलग समग्र आईडी दिलाकर सचिव ने उन्हें अलग लाभार्थी के रूप में दर्ज कराया और फिर उसी के नाम पर लघु तालाब, मीनाक्षी तालाब, पशु शेड जैसी योजनाओं का लाभ उठाया गया। यानी सचिव ने सरकारी योजनाओं को पारिवारिक व्यापार में बदल डाला और विभागीय अफसर चुप्पी साधे बैठे हैं।

### अधिकारी बने मूकदर्शक

बराछ पंचायत में यह सबकुछ खुलेआम हो रहा है, लेकिन न जनपद पंचायत ने कार्रवाई की और न ही जिला प्रशासन ने। हर शिकायत ऊपर तक पहुंचते-पहुंचते दम तोड़ देती है। ग्रामीणों का आरोप है कि सचिव को ऊपर तक का संरक्षण प्राप्त है और इसी राजनीतिक छत्रछाया में उन्होंने अपनी जड़ें गहरी कर ली हैं। एक ग्रामीण ने तंज कसते हुए कहा बराछ में अब योजना नहीं, कमीशन चलता है, यहां सडक़ें नहीं बनतीं, सिर्फ बिल बनते हैं।

### फर्जी माप और फाइलों में विकास

गांव के हर कोने में अधूरे कामों की गवाही मिलती है, लेकिन पंचायत की माप पुस्तिका और पोर्टल पर सभी कार्य पूर्ण दिखाए गए हैं। डिजिटल रिकॉर्ड्स में फर्जी एंट्री कर सचिव ने ऐसा भ्रम फैला रखा है कि मानो बराछ आदर्श पंचायत हो। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि बराछ पंचायत का तत्काल भौतिक सत्यापन कराया जाए और सचिव ओमप्रकाश द्विवेदी सहित पूरे भ्रष्टाचार गिरोह पर विभागीय और दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

# विधायक ने खेतों में पहुंचकर किया खराब सोयाबीन एवं धान का अवलोकन

**उमरिया।** विधायक बांधवगढ़ शिवनारायण सिंह ने तहसील करकेली के ग्राम सकरवार कटंगी एवं नया गांव मे सोयाबीन फसल क्षति का मौका निरीक्षण किया गया तथा किसानो को शासन के नियमानुसार पात्रों को राहत राशि दिलाने की बात कही गई। इस दौरान उन्होने धान की खराब हुई फसलों का भी मुआयना कियाविधायक बांधवगढ़ शिवनारायण सिंह ने कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग को शीघ्र सर्वेक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होने किसानो से कहा कि किसानों के साथ प्रदेश सरकार खड़ी है।उनकी खराब हुई सोयाबीन फसल का सर्वे कराकर

नियमानुसार क्षति राशि दिलाई जाएगी।किसान हमारे अन्नदाता हैं,उनकी हर संभव मदद की जाएगी । किसानों को नुकसान नहीं होने देंगे। किसानों की जिंदगी बेहतर हो, इसके लिए केन्द्र एवं राज्य की सरकार लगातार प्रयासरत हैं। निरीक्षण के दौरान एसडीएम बांधवगढ़ हरनीत कौर कलसी, जनप्रतिनिधि राजेश पवार, महेंद्र सिंह, जारी सिंह, रघुनाथ सिंह सहित किसान उपस्थित रहे ।

# बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा की गतिविधियां संपन्न

**उमरिया।** जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास दिव्या गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह अंतर्गत थीम अनुसार जिले की समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों में ईसीसीई प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा की गतिविधियां का आयोजित की गई।इस अवसर पर खेल-और शिक्षा गतिविधि-आधारित पाठ्यक्रम और बाल

सुलभ शिक्षण सामग्री की जानकारी प्रदान की गई।

इस दौरान बताया गया कि बच्चों के संज्ञानात्मक और सामाजिक कौशल के विकास और प्रारंभिक शिक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जिससे बच्चों को खेल-खेल में और रुचिकर तरीके से सीखने में मदद मिलती है। सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करें माता-पिता और समुदाय को शामिल किया गया ताकि वे घर पर भी बच्चों के विकास में सहयोग कर सकें। प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा, जो कि जन्म से लेकर 6 या 8 साल की उम्र तक के बच्चों के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास से संबंधित है। प्रत्येक आंगनवाड़ी में बच्चो से गतिविधियों के माध्यम से मिट्टी के खिलौने, बर्तन तथा मिट्टी की नई नई चीजे और कागज के तरह तरह की चीजें जैसे नाव, पेड,फूल,घर बनवाया गया। खेल-आधारित शिक्षा से बच्चों को खेल-खेल में आनंददायक तरीके से सीखने का अवसर मिलता है जिससे उनके संज्ञानात्मक और सामाजिक कौशल का विकास होता है।

### तेज आवाज के साथ बंद हुआ 63 केव्हीए का ट्रांसफार्मर

**कोतमा।** सोमवार की शाम लगभग 5 बजे नगरपालिका पसान अंतर्गत पीली दफाई टोला में 63 केव्हीए का ट्रांसफार्मर अचानक तेज आवाज के साथ बंद हो गया। जिसके कारण विद्युत सप्लाई बाधित हो गई। लाइन स्टाफ के निरीक्षण करने पर ट्रांसफार्मर फेल घोषित कर दिया गया। ऊमस भरी गर्मी से पूरी रात गुजरने के डर से उपभोक्ता और परिजन परेशान थे। जिसकी जानकारी जैसे ही कनिष्ठ अभियंता कोतमा लालमणि प्रजापति को हुई उन्होंने तत्काल ही सहायक अभियंता राहुल कुमार श्रीवास्तव को ट्रांसफार्मर फेल होने की सूचना दी और बिजली बिल बकाया न होने पर सहायक अभियंता ने तत्काल ट्रांसफार्मर बदलने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए जिसके फलस्वरूप बिजली विभाग के कर्मचारी और उपभोक्ता के सहयोग से रात को 9 बजे तक 4 घंटे के अंदर ट्रांसफार्मर बदल कर पूरी बिजली सप्लाई बहाल कर दी गई। इस त्वरित कार्यवाही से उपभोक्ताओं ने राहत की सांस ली और उपभोक्ता एवं जनप्रतिनिधियों ने बिजली विभाग के अधिकारी कर्मचारी को धन्यवाद दिया।

# आरसेटी उमरिया में दिव्यांग प्रशिक्षणार्थियों ने सीखा मोमबत्ती बनाने का गुण

**उमरिया।** भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, उमरिया में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत 12 दिवसीय कैंडल मेकिंग आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर 30 पुरूष प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जेल अधीक्षक डी.के.सारस ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए अपनी शुभकामनाएं दी और कहा कि आपने जो इस प्रशिक्षण में सीखा है उसे यहॉ से जाने के बाद सतत रूप से करें। निर्देशक डा.तरूण कुमार सिंह ने सभी प्रशिक्षणार्थियों का उत्साह वर्धन करते हुये कहा कि आपने जो यह 30 दिवसीय कैंडल

मेकिंग का आवासीय प्रशिक्षण प्राप्त किया एवं प्रशिक्षण के दौरान जो भी गुण सीखा है, उसे यहां से जाने के बाद अभ्यास व मेहनत करें जिससे ज्यादा से ज्यादा लाभ हो और इस क्षेत्र में एक सफल करियर बना सकें। रोजगार की अपार संभावनाएं हैं क्योंकि आज के समय में हर कोई अच्छा दिखना चाहता है और इसी के साथ सभी प्रशिक्षणाथियों को अपनी शुभकामनायें दीं। प्रशिक्षण के प्रशिक्षणार्थियों का असेसमेंट ओपी चतुर्वेदी (असिस्टेंट कंट्रोलर) के नियंत्रण में)सत्यम सिंह के द्वारा किया गया। सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र एवं एसेसमेंट प्रमाण पत्र वितरण कर सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया।अंत में निर्देशक महोदय द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर अमन दुबे जिला रोजगार अधिकारी , के के शुक्ला सहित प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे ।

# बाड़ी में निर्वस्त्र हालत में मिला अधेड़ महिला का शव

**हरिभूमि न्यूजकोतमा।** थाना अंतर्गत मंगलवार को पंचखुरा गांव में 48 वर्षीय महिला चंद्रावती नापित पति स्वर्गीय रमैया का शव घर के पीछे बाड़ी में निर्वस्त्र हालत में पाए जाने से सनसनी फैल गई।ग्रामीणों के द्वारा खून से लथपथ महिला का शव देखे जाने के बाद घटना की सूचना डायल 112 पुलिस एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों को दी गई। उक्त खबर पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गई। मौके पर एसडीओपी आरती शाक्य, थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ल, एफएसएल टीम पहुंचते हुए हर पहलुओं से जांच कर रही है। पुलिस ने मामले में प्रथम दृष्टया हत्या का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर दी है। शव के पीएम रिपोर्ट से अन्य साक्ष्य भी सामने आयेंगे। घटना के बारे में बताया जाता है कि महिला चंद्रावती जो कि अपने घर में अकेली रहती थी जिसके पति का निधन कुछ

वर्षों पूर्व हो गया जिसका शव मंगलवार की सुबह घर के पीछे बाड़ी में निर्वस्त्र हालत में देखा गया। महिला के हाथ बंधे हुए और सिर में धारदार हथियार से चोट के निशान पाए गए जिससे संभावना जताई जा रही है कि महिला के साथ अनैतिककृत्य करते हुए हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है। महिला सोमवार को गांव के बाजार में देखी गई थी जो एक मोबाइल शॉप में रिचार्ज करा रही थी। सूत्रों के अनुसार महिला के घर में कुछ लोगों का आना जाना भी बना रहता था जो देर रात तक रुकते थे। पुलिस ने मौके से खून से सने कपड़े, टूटी चूड़ी, मोबाइल सहित अन्य सामग्री जप्त कर जांच कर रही है। सायबर टीम भी सक्रिय है।

**इनका कहना है**

सूचना पर घटना स्थल पहुंच हर पहलुओ की जांच की जा रही है। उच्च अधिकारियों के निर्देशन में जल्द मामले का खुलासा किया जाएगा।

**रत्नांबर शुक्ल**
**थाना प्रभारी कोतमा**

# पुलिस ने गुमशुदा युवती को सकुशल किया दस्तयाब

**हरिभूमि न्यूज, राजनगर। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एस.डी.ओ.पी. कोतमा के मार्गदर्शन में गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत थाना राजनगर पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।**

दिनांक 26 फरवरी को सूचनाकर्ता रानू सिंह पिता रामाधार सिंह, उम्र 32 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 01 राजनगर, थाना रामनगर (परिवर्तित नाम) जिला अनूपपुर द्वारा थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि उसकी भांजी कु. राशि (परिवर्तित नाम) उम्र 21 वर्ष, निवासी मौहारपारा मनेंद्रगढ़, जो एक माह पूर्व उनके घर आई थी, दिनांक 24 फरवरी को बिना बताए घर से चली गई है। परिजनों द्वारा अपने स्तर पर सभी संभावित स्थानों एवं रिश्तेदारों में तलाश करने पर भी कोई पता नहीं चल पाया। रिपोर्ट पर थाना राजनगर में गुम इंसान क्रमांक 08/2025 कायम कर विवेचना में लिया गया। गुमशुदगी की जांच के दौरान दिनांक 06 अक्टूबर को पुलिस टीम द्वारा गुमशुदा युवती कु. राशि सिंह (परिवर्तित नाम) उम्र 21 वर्ष, निवासी मनेंद्रगढ़, को उसके प्रेमी राहुल कुमार यादव पिता स्व. बनवारी यादव, उम्र 25 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 06, मनेंद्रगढ़ में सकुशल दस्तयाब किया गया। दस्तयाबी के उपरांत युवती का पंचनामा तैयार कर कथन लेखबद्ध किया गया। जिसमें उसने बताया कि वह बालिग है, अपनी मर्जी से गई थी तथा अपने प्रेमी राहुल कुमार यादव से 'आर्य समाज' में प्रेम विवाह कर लिया है। गुमशुदा युवती की सकुशल दस्तयाबी की जानकारी परिजनों को पुलिस द्वारा दी गई है।

# शहर में बढ़ते नशे और अवैध कारोबार पर रोक की मांग

### युवा कांग्रेस ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

**शहडोल। शहर में बढ़ते नशे, गांजा की खुलेआम बिक्री और अवैध कबाड़ कारोबार के खिलाफ युवा कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष अनुपम गौतम के मार्गदर्शन में जिला महासचिव निशांत जोशी के नेतृत्व तथा जिला महासचिव प्रियांशु चौबे (सोनू) की अध्यक्षता में युवा कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा।**

ज्ञापन के माध्यम से शहर में नशे के बढ़ते प्रभाव, गांजा की तस्करी और चोरी के माल की खरीद-बिक्री में लिप्त अवैध कबाड़ कारोबार पर तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग की गई।ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि शहर के कई क्षेत्रों में गांजा, चरस, स्मैक और अन्य नशीले पदार्थों की खुलेआम बिक्री हो रही है, जिससे स्कूली और कॉलेज के छात्र भी इसकी चपेट

में आ रहे हैं। अवैध कबाड़ की दुकानों में चोरी का सामान खरीदा-बेचा जा रहा है, जिससे असामाजिक तत्वों को बढ़ावा मिल रहा है। इन गतिविधियों से शहर का माहौल बिगड़ता जा रहा है और आपराधिक घटनाओं में तेजी आई है।

युवा कांग्रेस ने मांग की है कि नशीले पदार्थों की बिक्री पर पूर्ण रोक लगाई जाए, अवैध कबाड़ केंद्रों पर छापेमारी कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो, साथ ही गांजा और मादक पदार्थों के तस्करों को चिन्हित कर गिरफ्तार किया जाए। इसके अलावा युवाओं के बीच जागरूकता अभियान चलाने और नशे से संबंधित शिकायतों के लिए पुलिस द्वारा हेल्पलाइन नंबर जारी करने की भी मांग की गई।युवा कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन चरणबद्ध आंदोलन करेगा।

उन्होंने पुलिस प्रशासन से अपेक्षा जताई कि इस गंभीर सामाजिक समस्या को प्राथमिकता से लेकर सख्त कदम उठाए जाएं, ताकि शहर का वातावरण फिर से सुरक्षित और नशामुक्त बन सके। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला महासचिव मुसरान खान, नगर अध्यक्ष नमो गर्ग, वाशिम खान, रेहान खान, शिवांशु दहिया, महबूब खान, यासीफ खान, ब्लॉक उपाध्यक्ष सत्यम प्रजापति सहित अन्य युवा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## खबर संक्षेप

### खाड़ा रामपुर ओसीएम में धांधली

**धनपुरी।** सोहागपुर एरिया की चर्चित खाड़ा रामपुर ओपनकास्ट माइंस (ओसीएम) में बड़े पैमाने पर धांधली का मामला सामने आया है। आरोप है कि यहाँ से नियम-कानून को दरकिनार कर खुलेआम रोड सेल से कोयले का डिस्पैच किया जा रहा है। इस पूरे खेल में टेक्निकल इंस्पेक्टर और प्रबंधन के बीच कमीशनखोरी होने की बातें उजागर हुई हैं।सूत्रों की मानें तो खाड़ा रामपुर ओसीएम से कोयले की सप्लाई पाने के लिए उपभोक्ताओं को 7 हजार रुपए प्रति ट्रक अतिरिक्त खर्च देना पड़ता है। स्थानीय उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया है कि यह पूरा सिस्टम रेपेमेन्ट दो–कोयला लोर की तर्ज पर चल रहा है। कई उपभोक्ताओं ने इस भ्रष्टाचार की लिखित शिकायत एसईसीएल प्रबंधन से की है और नामजद व्यक्तियों पर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि जिन लोगों की जिम्मेदारी पारदर्शिता सुनिश्चित करने की है, वही लोग अनियमितताओं को बढ़ावा दे रहे है।अब देखना होगा कि एसईसीएल प्रबंधन इस गंभीर आरोपों पर क्या कार्रवाई करता है या फिर शिकायतों को हमेशा की तरह ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा।

### सार्वजनिक मार्गों से घुमंतू मवेशियों को पकड़ा

**कटनी।** नगर के मुख्य मार्गो में घुमंतु मवेशियों के विचरण पर रोक लगाकर नागरिकों को सुगम यातायात मुहैया कराने के उद्देश्य से निगम प्रशासन की हांका गेंग रोजाना सक्रियता से अभियान चलाकर आवारा मवेशियों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कर रही है। स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि निगम की हांका गेंग द्वारा रविवार देर शाम नगर के विभिन्न मार्गो सागर पुलिया, माधवनगर गेट, विश्राम बाबा, दुगाडी नाला मार्ग, जिला न्यायालय से होते हुए पीरबाबा मुख्य मार्ग में सार्वजनिक रूप से विचरण कर यातायात एवं सफाई व्यवस्था प्रभावित करने वाले घुमंतु मवेशियों को हांका लगाकर मुख्य मार्गो से पृथक करते हुए नगरीय सीमा के बाहर छोड़नें की कार्यवाही की गई। स्वास्थ्य अधिकारी नें जानकारी देते हुए बताया कि निगम प्रशासन द्वारा घुमंतु मवेशियों के सार्वजनिक मार्गो पर विचरण पर लगाम लगाने हेतु यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। पशुपालकों से सार्वजनिक मार्गो में पालतू पशुओं को आवारा रूप से विचरण हेतु नहीं छोडने की अपील की है।

### आकर्षक पेंटिंग से दिया स्वच्छता का संदेश

**कटनी।** नगर पालिक निगम कटनी द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 के अंतर्गत शहर में विभिन्न स्वच्छता लक्षित इकाइयों क्लीननेस टारगेट यूनिट सीटीयू का चयन किया जाकर आदर्श इकाई के रूप में विकसित करने की पहल प्रारंभ की गई है। जिसके तहत विगत दिवस बस स्टैंड परिसर को एक प्रमुख इकाई के रूप में चिन्हित किया जाकर व्यापक स्तर पर सफाई, सौंदर्यीकरण और जन जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान चयनित सीटीयू बस स्टैंड परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाकर क्षेत्र को पूरी तरह कचरा एवं गंदगी मुक्त बनाते हुए एकत्रित कचरे को डंपिंग यार्ड भेजा गया। अभियान के दौरान बस स्टेंड परिसर की डिवाइडर एवं दीवारों पर आकर्षक स्वच्छता संदेशों और सजावटी पेंटिंग कर बस स्टेंड आने-जाने वाले नागरिकों और यात्रियों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित करनें का कार्य भी किया गया। नोडल अधिकारी आदेश जैन ने बताया कि निगम प्रशासन द्वारा यह पहल स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए की जा रही है।

### डेकोरेटिव रिंग लाइट मानक अनुरूप नहीं पाए जाने पर की गई रिजेक्ट

**कटनी।** नगर पालिक निगम कटनी द्वारा नगर के सौदर्यीकरण के साथ प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करनें हेतु शहर के विभिन्न मुख्य मार्गो पर 35 लाख 50 हजार रूपये की लागत से डेकोरेटिव विद्युत पोल एवं डेकोरेटिव लाइट स्थापित किये जाने का कार्य निविदाकार गणेश प्रसाद त्रिपाठी के द्वारा कराया जा रहा है। नगर निगम के सहायक यंत्री विद्युत शाखा आदेश जैन एवं उपयंत्री श्रीमती मोना करेरा ने जानकारी देते हुए बताया कि निविदाकार द्वारा विभिन्न स्थलों पर लगाई गई ।

## लीनेस क्लब बुढार ने जरूरतमंदों को दी व्हीलचेयर और बैसाखी

# मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म

**अध्यक्ष मोनिका अग्रवाल के नेतृत्व में अनेकों सामाजिक कार्यों से गूंजा सेवा भाव**

मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है" — इस विचार को साकार करते हुए लीनेस क्लब बुढार की सभी बहनों ने शनिवार, 6 अक्टूबर की शाम को वार्ड नंबर 1 स्थित एक होटल में एक भावनात्मक सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया।

धनपुरी।

इस अवसर पर क्लब की ओर से एक जरूरतमंद बेटी को व्हीलचेयर और एक जरूरतमंद भाई को बैसाखी प्रदान की गई।कार्यक्रम के दौरान जब 15 वर्षीय रोशनी दहिया (निवासी वार्ड क्रमांक 20, धनपुरी) को व्हीलचेयर सौंपी गई, तो उसकी आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। रोशनी ने बताया कि अब तक उसे अपने दैनिक कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, पर अब वह स्वयं अपने कार्य कर सकेगी। रोशनी की माता ने भावुक होकर कहा — "लीनेस क्लब की बहनों ने बेटी की जरूरत को समझा और तुरंत सहायता देकर हमारी जिंदगी आसान बना दी।"

इसी क्रम में मोहन कोल को भी क्लब की ओर से बैसाखी प्रदान की गई।क्लब अध्यक्ष मोनिका अग्रवाल ने बताया कि उनके कार्यकाल (जनवरी से अक्टूबर 2025) के दौरान लीनेस क्लब बुढार ने अब तक अनोको सेवा और सामाजिक कार्य संपन्न किए हैं। उन्होंने कहा "हमारा उद्देश्य केवल कार्यक्रम करना नहीं, बल्कि हर जरूरतमंद तक सहायता और संवेदना की भावना पहुँचाना है।"

क्लब ने कई उल्लेखनीय सामाजिक पहलमहिला स्वावलंबन हेतु जरूरतमंद महिला को सिलाई मशीन प्रदान की, कन्या विवाह में 25,000 की सामग्री सहयोगस्वरूप दी,सब्जी विक्रेताओं को बरसात मे छतरी वितरण,शहडोल वृद्धाश्रम में खाद्य सामग्री वितरण,सरस्वती स्कूल धनपुरी में तीन सिलिंग फैन व एक अलमारी प्रदान की,स्वतंत्रता दिवस पर स्कूली बच्चों को छतरियां दीं और आदिवासी स्कूल में बूंदी-बिस्किट वितरण,नवरात्रि पर मंदिर में खिचड़ी वितरण व गौशाला में दो क्विंटल चारा-भूसा प्रदान किया,गर्मी के मौसम में सार्वजनिक प्याऊ और पशु-पक्षियों के लिए नाद व सिकारा की व्यवस्था की,साथ ही पर्यावरण संरक्षण हेतु स्नेक प्लांट का वृक्षारोपण भी किया गया।इन सभी कार्यों ने समाज में नई प्रेरणा और संवेदना का संचार किया है। मोनिका अग्रवाल के नेतृत्व में लीनेस क्लब बुढार ने सेवा, समर्पण और सहयोग की अनूठी मिसाल पेश की है। उनका कार्यकाल न केवल समाजसेवा बल्कि महिला सशक्तिकरण और संगठनात्मक एकता के लिए भी स्मरणीय रहेगा।कार्यक्रम में लीनेस अध्यक्ष मोनिका अग्रवाल, सचिव अंजू अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्यामा गुप्ता, साधना अग्रवाल रजनी जैन बिंदा भगत अंजू दुआ नागमणि मानिकपुरी आरती खनूजा ज्योति सिंह बघेल, स्नेहलता गुप्ता, ज्योति खनूजा, सरिता अग्रवाल, अर्चना ओझा और प्रतिमा जैन अंजना जैन अंजू मिश्रा सहित क्लब की सभी सदस्याएं उपस्थित रहीं।सेवा और संवेदना से भरा यह आयोजन समाज में लीनेस क्लब बुढार की पहचान को और सशक्त बनाता है।

# भव्य माता का जागरण एवं जीवंत झांकियों की प्रस्तुति ने बांधा समां

**गांधी नगर सोड़ा फैक्ट्री बरगवां में धार्मिक उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ कार्यक्रम**

**अमलाई।** गांधी नगर सोड़ा फैक्ट्री परिसर स्थित दुर्गा पंडाल में शरद पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार की रात्रि भव्य माता का जागरण एवं जीवंत झांकियों की मनमोहक प्रस्तुति का आयोजन बड़े ही धूमधाम से किया गया। यह कार्यक्रम श्री श्री नवयुवक दुर्गा उत्सव समिति द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी।कार्यक्रम में भक्त बृज किशोर (बावरा) मथुरा एवं उनकी टीम ने भगवान राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान सहित विभिन्न देवी-देवताओं की झांकियों की शानदार प्रस्तुति दी, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंच पर सजी झांकियों ने ऐसा आभास कराया मानो देवता स्वयं पृथ्वी पर अवतरित हो गए हों।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष हीरा सिंह श्याम, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती गीता गुप्ता, पार्षद पवन चीनी, जीएम कास्टिक सोडा यूनिट अविनाश वर्मा, सुरक्षा अधिकारी ओपीएम रवि शर्मा, समाजसेवी अभिषेक गुप्ता, अनिल अग्रवाल, नगर परिषद बकहो के उपाध्यक्ष वैभव विक्रम सिंह, रामनारायण उरमालिया ,चंद्रिका द्विवेदी, सतीश तिवारी ,राकेश तिवारी गुड्डू ,आनंद केसरवानी, मंडल अध्यक्ष वेंकट नगर विजय राठौर ,पार्षद पवन कुमार चीनी, पार्षद सौरभ कुमार, रावेंद्र गुप्ता , अर्चना यादव दीपक, रंजन सोनी ,हर छठी बैगा सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने मां दुर्गा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।अतिथियों ने समिति के पदाधिकारियों और कलाकारों के प्रयासों की सराहना की तथा कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आस्था, संस्कार और एकता की भावना को मजबूत करते हैं।कार्यक्रम के अंत में भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें मां के भजनों पर भक्तगण देर रात तक झूमते रहे। आयोजन को सफल बनाने में नवयुवक दुर्गा उत्सव समिति गांधी नगर सोड़ा फैक्ट्री बरगवां की पूरी टीम का विशेष योगदान रहा।

## उत्पादन लक्ष्य 70 लाख टन, चुनौती और अवसर दोनों

# सोहागपुर एरिया की बागडोर संभाली बी.के. जेना ने

धनपुरी।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) मुख्यालय से स्थानांतरित होकर आए अनुभवी अधिकारी बी.के. जेना ने सोमवार को सोहागपुर एरिया के नए महाप्रबंधक के रूप में कार्यभार संभाल लिया। पदभार ग्रहण अवसर पर एरिया महाप्रबंधक (संचालन) मनीष श्रीवास्तव और उपक्षेत्रीय प्रबंधक पी. रमन्ना सहित क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।पूर्व महाप्रबंधक संदीप सुधाकर परांजपे के डायरेक्टर (टेक्निकल) पद पर पदोन्नत होने के बाद यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी अब बी.के. जेना को सौंपी गई है।जेना एसईसीएल के कई एरिया में अपने संगठित नेतृत्व, उत्पादन प्रबंधन और तकनीकी दक्षता के लिए पहचाने जाते हैं।70 लाख टन का वार्षिक लक्ष्य — मिशन मोड में जुटी टीमसोहागपुर एरिया को चालू वित्त वर्ष में 70 लाख टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य सौंपा गया है।नए महाप्रबंधक ने पदभार संभालने के तुरंत बाद क्षेत्र की उत्पादन समीक्षा बैठक ली और मौजूदा चुनौतियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि "हर परियोजना को समय पर पूरा करने और सुरक्षित उत्पादन पर विशेष ध्यान रहेगा। टीमवर्क से ही लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।"प्रमुख खदानों की स्थितिएरिया की सबसे बड़ी परियोजना अमलाई ओपनकास्ट माइंस (ओसीएम) में हाल ही में आर.के. ट्रांसपोर्ट ने ओवरबर्डन (ओवी) उत्खनन कार्य शुरू किया है।वहीं रामपुर-बटुरा ओसीएम में ओवी निकालने के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी है।दामिनी भूमिगत और राजेन्द्रा माइंस में सीएम मशीनों की स्थापना का कार्य प्रगति पर है, जिससे उत्पादन में वृद्धि की उम्मीद है।अनुभव और नेतृत्व से उम्मीदें बढ़ींबी.के. जेना के पास कोयला उद्योग में तीन दशक से अधिक का अनुभव है। उनके नेतृत्व में क्षेत्रीय अधिकारी उत्साहित हैं और मानते हैं कि जेना के मार्गदर्शन में सोहागपुर एरिया लक्ष्य से अधिक उत्पादन दे सकेगा।सुरक्षा और पर्यावरण सर्वोपरिनए महाप्रबंधक ने कहा कि उत्पादन के साथ सुरक्षा मानकों और पर्यावरणीय नियमों का पालन सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक परियोजना में सुरक्षा संस्कृति को मजबूत किया जाए और श्रमिकों की कार्य स्थितियों में निरंतर सुधार लाया जाए।स्वागत में उत्साहएरिया कार्यालय में हुए स्वागत में अधिकारियों ने नई ऊर्जा और उत्साह के साथ काम करने का संकल्प लिया।महाप्रबंधक जेना ने कहा — "सोहागपुर एरिया में अपार संभावनाएँ हैं, और सामूहिक प्रयासों से हम न केवल लक्ष्य हासिल करेंगे, बल्कि उत्पादन गुणवत्ता और सुरक्षा दोनों में नई मिसाल कायम करेंगे।

## नीलकंठ इंफ्रा माइनिंग में वेतन में गफलत पर आंदोलन की चेतावनी

# राष्ट्रीय कॉलरी वर्कर्स फेडरेशन ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

आमाडांड ओपन कास्ट माइंस में कार्यरत नीलकंठ इंफ्रा माइनिंग लिमिटेड पर ठेका मजदूरों को निर्धारित वेतन से कम भुगतान करने और अन्य सुविधाएं न देने का आरोप लगा है। राष्ट्रीय कॉलरी वर्कर्स फेडरेशन ने मंगलवार सुबह कंपनी के एचआर को एक ज्ञापन सौंपा है, जिसमें जल्द मांगें पूरी न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई है। मजदूरों का आरोप है कि उन्हें श्रम और रोजगार मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार 1350 रुपए के बजाय केवल 650 रुपए का भुगतान किया जा रहा है। वे पिछले लगभग 18 महीनों से ओबी (ओवरबर्डन) और कोयला खनन का काम कर रहे हैं, लेकिन उन्हें उचित कार्यदशाएं, निर्धारित वेतन और अन्य आवश्यक सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।

### इन मांगों का दिया ज्ञापन

फेडरेशन ने कई अन्य मांगें भी रखी हैं। इनमें कार्यरत सभी श्रमिकों को अवकाश के दिन काम करने पर ओवरटाइम या दो हाजिरी देना शामिल है। इसके अतिरिक्त, सभी श्रमिकों के भविष्य निधि खातों को ईपीएफ से सीएमपीएफ में बदलने और सालाना बोनस के रूप में वेतन का 8.33 प्रतिशत एचपीसी दर से भुगतान करने की मांग की गई है। कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा अधिसूचित 2025 के सभी पेड हॉलीडे में श्रमिकों को तीन हाजिरी देने की भी मांग है। श्रमिकों की सुरक्षा और अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए, फेडरेशन ने मांग की है कि किसी भी श्रमिक को गलती के लिए काम से बैठाने से पहले नोटिस दिया जाए। इस नोटिस में बैठने का कारण और निर्धारित समय सीमा स्पष्ट रूप से लिखी होनी चाहिए, जिसकी एक प्रति श्रमिक को और दूसरी नोटिस बोर्ड पर चिपकाई जाए। साथ ही, काम से बैठाने के बाद किसी भी श्रमिक को दोबारा काम पर न लिया जाए (री-जॉइनिंग न हो), क्योंकि इससे श्रमिक की ग्रेच्युटी प्रभावित होती है। कार्यरत सभी श्रमिकों को दुर्घटना बीमा पॉलिसी की एक प्रति उपलब्ध कराई जाए।

# नेत्र विशेषज्ञ डॉ. जनक सारीवान ने मरीज की आंख से निकाला लोहे का टुकड़ा

**सफल आपरेशन कर मरीज को दी बड़ी राहत**

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिला चिकित्सालय अनूपपुर सुविधाओं, सेवाओं और उत्कृष्ट चिकित्सा व्यवस्था के लिये कम संसाधनों और चिकित्सकों की कमी के बावजूद शहडोल संभाग मे अव्वल है। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. जनक सारीवान ने सफल आपरेशन करके एक मरीज की आंख से लोहे का टुकडा निकाल कर मरीज को बड़ी राहत दी है।

जिला चिकित्सालय के नेत्र विभाग में अनूपपुर निवासी अकालू नामक व्यक्ति को रविवार को कार्य करते समय लोहे का टुकड़ा दाईं आंख के अंदरूनी कक्ष में चला गया, जिसे जिला चिकित्सालय के नेत्र विभाग डां. जनक सारीवान को दिखाया गया जिस पर निरीक्षण उपरांत ऑपरेशन द्वारा सफलतापूर्वक निकाला गया, अब मरीज ठीक हैं। सामान्यतः इस तरह के इलाज छोटे नगरो में सुविधा न होने से नहीं हो पाते किन्तु अनूपपुर के नेत्र चिकित्सक ने सीमित संसाधनों में कर दिखाया। नेत्र चिकित्सक डां. जनक सारीवान ने बताया कि शुक्रवार को अकालू नामक व्यक्ति जिला चिकित्सालय में आया जिसका लोहे का कार्य करते समय लोहे का टुकड़ा दाईं आंख के अंदरूनी कक्ष में चला गया था जिसका निरीक्षण उपरांत तत्काल ऑपरेशन कर सफलतापूर्वक लोहे के टुकडे को निकाला गया, अब मरीज ठीक हैं। उन्होने बताया कि इस प्रकार के समस्या का निराकरण उच्च संस्थानों में ही हो सकता है।

### सावधानी बरतने की अपील

डॉक्टर सारीवान ने बताया कि ऐसी सावधानी बरतनी चाहियें प्रभावित व्यक्ति को तुरंत किसी नेत्र विशेषज्ञ (ऑप्थाल्मोलॉजिस्ट) के पास या आपातकालीन कक्ष में ले जाएँ। किसी भी दबाव या हलचल से बचाने के लिए, आँख को एक पट्टी या कप जैसे साफ ढक्कन से हल्के से ढक दें। व्यक्ति को शांत करें, उन्हें आँख को छूने, रगड़ने या दबाने से रोकें। टुकड़ा निकालने की कोशिश न करें, व्यक्ति को या खुद को लोहे का टुकड़ा निकालने का प्रयास नहीं करना चाहिए। इससे आँख को और नुकसान हो सकता है। आँख को पानी से धोने या धोने की कोशिश न करें, क्योंकि इससे स्थिति और खराब हो सकती है।

# चंदा न मिलने पर धमकाने सहित स्कूल के कार्य को प्रभावित किए जाने का मामला

**11 हजार का जबरन चंदा विवाद पहुंचा थाने**

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

पंचखुरा में संचालित सीएम राइज स्कूल पहुंच भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश वर्मा अपने साथियों सहित दुर्गा पूजा के नाम पर 11 हजार रुपए का जबरन चंदा मांगने और ना मिलने पर धमकाने सहित स्कूल के कार्य को प्रभावित किए जाने का मामला सामने आया है।

स्कूल के प्राचार्य वीपी प्रजापति एवं अशोक चौहान के द्वारा पूरे मामले की शिकायत सोमवार को थाना कोतमा सहित अन्य अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को की गई है। शिकायत पर पुलिस जांच कर कार्यवाही की बात कह रही है। घटना के बारे में बताया जाता है कि ग्रामीण मंडल अध्यक्ष राजेश वर्मा अपने साथियों के साथ संदीपनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंच शिक्षक अशोक चौहान से 11 हजार रुपए नवरात्रि चंदे की मांग की गई। जिसे ना देने पर दुबारा 29 सितंबर को स्कूल पहुंच सार्वजनिक गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी गई। स्कूल में नौकरी करने मुश्किल हो जाएगा साथ ही प्रभार ना दिलाए जाने की बात कही। पूरे मामले के दौरान प्राचार्य बीपी प्रजापति भी उपस्थित रहे। घटना के बाद से पूरा स्कूल प्रबंधन डर के साए में है। स्कूल आने जाने में भी लोगो को भय सता रहा है। जानकारी के अनुसार चंदे की बात को लेकर दोनों के बीच बहस बढ़ गई और मामला धमकी सहित निपटा देने तक जा पहुंचा। प्राचार्य ने इस घटना की शिकायत उच्च अधिकारियों सहित पुलिस प्रशासन से की है, वही उच्च माध्यमिक शिक्षक अशोक चौहान के द्वारा अपने परिचित जबलपुर के एक मंत्री सहित राजधानी तक पहुंची है। मामला बढ़ने पर पुलिस लगातार दोनों पक्षों से बात कर जांच कर रही है। सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों के द्वारा चंदे वसूली एवं धमकी के विवाद घटना के बाद क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। भाजपा और प्रशासनिक हलकों में इस विवाद की चर्चाएं जोरों पर हैं।

### इनका कहना है

इस पूरे प्रकरण की जानकारी राजधानी की गलियारों में भी गूंज रही है।

**रत्नांबर शुक्ल**
**थाना प्रभारी कोतमा**

## खबर संक्षेप

### कांग्रेस नेता ने प्रभारी बनने शालीनता से किया अस्वीकार

**अनूपपुर।** "वोट चोर गद्दी छोड़" अभियान के तहत जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा गठित हस्ताक्षर प्रभारी सूची में कांग्रेस नेता संजय सोनी का नाम बिना पूछे शामिल कर दिए जाने पर उन्होंने खुले तौर पर आपत्ति दर्ज कराई है। संजय सोनी के अनुसार, यह नामांकन न तो बिना समन्वय समिति की बैठक में प्रस्तावित किए और न ही संजय सोनी से कोई पूर्व सहमति ली गई थी। इस पर सोनी ने सोशल मीडिया पर शालीन लेकिन सटीक तरीके से अपना विरोध जताते हुए खुद को सूची से अलग करने की घोषणा कर दी। पूर्व एनएसयूआई जिला महासचिव, जिला उपाध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, प्रदेश सचिव एवं वर्तमान प्रदेश सचिव (युवा कांग्रेस) संजय सोनी ने सोशल मीडिया पर लिखा "गुड्डू चौहान जी, आपका पत्र मुझे सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त हुआ। मेरी जगह किसी अन्य ऊर्जावान साथी को आप प्रमाण पत्र जारी करें। मैं कांग्रेस पार्टी का एक सामान्य कार्यकर्ता होकर भी पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में सक्षम हूं।" उनका यह बयान न केवल संगठनात्मक शालीनता का उदाहरण बना, बल्कि इसने कांग्रेस संगठन के भीतर संवादहीनता की स्थिति पर भी हल्का लेकिन सार्थक कटाक्ष कर दिया। राजनीतिक गलियारों में इसे "पद नहीं, प्रतिबद्धता की राजनीति" कहा जा रहा है। संजय सोनी ने साफ कहा कि वे किसी जिम्मेदारी या पद की चाह नहीं रखते, उनका उद्देश्य कांग्रेस की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाना है। संगठन के भीतर यह घटनाक्रम इस बात का संकेत भी है कि अब युवा नेताओं में 'नाम से पहले काम' और 'पद से पहले पार्टी' की भावना फिर उभर रही है।

### राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में कन्या शिक्षा परिसर के 4 खिलाड़ियों का चयन

**कोतमा।** जनजाति कार्य विभाग द्वारा 14 वर्ष बालक बालिका विभागीय राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 4 से 5 अक्टूबर तक खालवा जिला खंडवा में आयोजित किया गया था जिसमें पूर्व क्षेत्र उपविजेता रही बालिका वर्ग में कन्या शिक्षा परिसर कोतमा से कु हेमवती सिँह, कु नम्रता, कु राधिका पनिका, कु देवकी सिंह चार बालिका एसजीएफआई राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता 14 वर्ष बालिका वर्ग के लिए चयन किया गया है। यह प्रतियोगिता खालवा जिला खंडवा मे 8 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक किया जाएगा। विद्यालय परिवार ने इस सफलता पर हर्ष व्यक्त किया प्राचार्य अजय सिंह चौहान, श्रीमती पार्वती सिंह, श्रीमती आकांक्षा मिश्रा, श्रीमती सुखमति लोधी, मिथलेश सिंह नेताम कबड्डी कोच खेल एवं युवा कल्याण विभाग ग्रामीण युवा समन्वयक विकासखंड कोतमा, सहायक कोच रूपांजलि ताम्रकार व्यायाम शिक्षक शासकीय कन्या उ. माध्यमिक विद्यालय कोतमा, अम्बिका प्रसाद एवं विद्यालय परिवार ने बताया कि यह उपलब्धि निरंतर परिश्रम अनुशासन और नियमित प्रशिक्षण का प्रत्यक्ष परिणाम है उन्होंने कहा छात्रों का चयन न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता है बल्कि यह विद्यालय और उनकी खेल नीतियों के लिए गर्व का विषय भी है अपनी खेल प्रतिभाओं प्रतिभा टीम भावना और समर्पण के बल पर यह मुकाम हासिल किया गया है। कोच मिथलेश सिंह नेताम ने कहा दृढ़ संकल्प और अनुशासन उन छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत होगा प्राचार्य अजय सिंह चौहान ने कहा यह उपलब्धि विद्यालय के खेल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सफलता और विद्यार्थियों को उत्कृष्टता की ओर प्रेरित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। विद्यालय परिवार और शिक्षकगण चयनित खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना कर रहे हैं और आशा कर रहे हैं कि इस सफलता में अन्य छात्र छात्राएं भी प्रेरित होंगे।

## नाबालिग बच्चों के ऑनलाइन गेम खेलने से जिंदगी हुई 'हैक'

# ऑनलाइन गेम की लत.. जिंदगी पर संकट!

**खेल के चक्कर में जिंदगी बना रहे 'जटिल'**
**जितनी जल्दी हो सके बच्चों को इसकी अंतहीन गलियों से निकाल लें बाहर**

भारत में ऑनलाइन गेमिंग मार्केट में साल-दर-साल 20 प्रतिशत की ग्रोथ हो रही है। भारत ऑनलाइन गेमिंग कम्युनिटी युवा का दूसरा सबसे बड़ा देश हो गया है। पहले नंबर पर चीन है। आंकड़ों के मुताबिक, देश में करीब 50 करोड़ से ज्यादा गेमर्स हैं। ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री ने जितनी तेजी से बच्चों और युवाओं को अपनी चपेट में लिया है, उतने ही इससे जुड़े साइबर फ्रॉड भी तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके मकड़जाल में फंसकर अपना कीमती समय तो गवां ही रहे हैं, अपनी कमाई से भी हाथ धो रहे है।

हरिभूमि न्यूज़ अनूपपुर।

साइबर पुलिस अधिकारी के अनुसार, ऑनलाइन गेमिंग के जरिए स्कैमर्स न सिर्फ लोगों की आईडी, क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड की डिटेल चोरी करने में कामयाब हो रहे है, बल्कि स्कैमर साइबर बुलिंग और ब्लैकमेलिंग तक कर रहे हैं। ऑनलाइन गेमिंग के समय चैट करने का भी ऑप्शन होता है। इन गेमिंग प्लेटफॉर्म पर कई अनजान लोग एक-दूसरे के साथ गेम खेलते हैं। ऐसे में कई बार युवा अपनी गाढ़ी कमाई तक डुबा देते हैं या लड़कियां हरासमेंट की शिकार हो जाती है। पिछले दिन उत्तर प्रदेश में ऐसा गैंग पकड़ा गया जो युवाओं को कम पैसे लगाकर ज्यादा जीतने का लालच देकर फंसाता था। गेम की हार-जीत गैंग के हाथ में होती है।

### ज्यादातर बच्चे खेल रहे गेम

आज बाजार में कम कीमत पर स्मार्टफोन और कनेक्टिविटी मौजूद है। इसकी वजह से ऑनलाइन जुएं की लोकप्रियता पूरी दुनिया में फैल रही है, यह चिंता का विषय बन गया है, बच्चे आजकल घंटों तक ऑनलाइन गेम खेलते हैं। लेकिन, क्या जानते हैं कि इन गेम्स में छिपे चैट रूम्स, इनाम के लालच और फर्जी ऑफर्स के जरिए उन्हें साइबर अपराधी जाल में फंसा लेते हैं। पिछले दिनों एक घटना सामने आई कि महज 13 साल के बच्चे ने वर्चुअल प्वाइंट्स खरीदने के लिए पिता का डेबिट कार्ड का इस्तेमाल किया और 150000 रुपये गंवा दिये। कई लोग सिर्फ अपने मनोरंजन के लिए ऑनलाइन जुआ खेलना शुरू करते है, लेकिन जल्द ही उन्हें इसकी लत लग जाती है। इसका असर जिंदगी पर पड़ने लगता है।

### क्या हैं खतरे

ऐप डाउनलोड करते ही नाम, मोबाइल नंबर, अकाउट और आधार जैसी डिटेल्स मांगी जाती है। स्कैमर्स इन डिटेल्स से आपके नाम पर नये अकाउंट खोल सकते है या बैंक अकाउंट हैक कर सकते हैं। कुछ गेमर्स दूसरों को डराने, धमकाने या मानसिक दबाव डालने के लिए ही खेलते हैं। ई मेल, मेसेज या पैट में फर्जी लिंक भेजे जाते है, जिसे क्लिक करते ही फोन मे वायरस डाल सकते है। फ्री गेम्स के साथ ही मालवेयर/वायरस आ सकता है, जो डिवाइस से डेटा चुरा सकता है। साइबर अपराधी खुद को नाबालिग बताकर बच्चों से दोस्ती करते हैं और फिर उनकी जानकारी चुराते हैं। यूजर को टास्क देकर या बहला-फुसलाकर उन्हें किसी गैरकानूनी काम के लिए उकसाया जा सकता है।

### बदनामी के डर से नहीं करते शिकायत

पुलिस का कहना है कि गेमिंग एप में अक्सर लोग फंस रहे हैं। वे अपने मां-बाप का वालेट चुराकर क्रेडिट या डेबिड कार्ड से राशि का भुगतान कर देते हैं। बदनामी से बचने के लिए कई बार मां-बाप इसकी शिकायत नहीं करते। इसलिए पुलिस ने आगाह किया है, बच्चों की गतिविधियों पर अभिभावक नजर रखें। साइबर ठगी की शिकायतों पर साइबर टीम तत्काल कार्रवाई करती है। साइबर सेल की मदद से लोकेशन का पता लगाया जाता है। साइबर अपराध रोकने के लिए लोगों को भी जागरूक होना जरूरी है।

### इनका रखें ध्यान

गेमिंग ऐप के पब्लिशर की जानकारी जरूर चेक कर लें। निजी जानकारी देने से बचें, आकर्षक सब्सक्रिप्शन ऑफर के जाल में न फसें। इमेल या टेक्स्ट मेसेज में आये संदिग्ध लिंक्स पर क्लिक न करें। केडिट कार्ड/डेबिट कार्ड की जानकारी किसी के भी साथ शेयर मत करें। कम्प्यूटर या स्मार्ट फोन में अच्छा एंटीवायरस इंस्टॉल करें। ऑनलाइन गेमिंग अकाउंट और अन्य ऑनलाइन अकाउंट के पासवर्ड मजबूत रखे। कोई दिक्कत होने पर अपने माता-पिता को जानकारी दें। आउटडोर गेम्स खेलने की आदत डाले।

### कैसे जानें लत है या मनोरंजन

बच्चा मोबाइल और कंप्यूटर पर ज़्यादा समय गुज़ारने लगेगा। उसकी नियमित गतिविधियों में बदलाव आएगा। परिवार और दोस्तों से ख़ुद को अलग कर लेगा। सिर्फ़ ऑनलाइन दोस्तों तक सीमित रहेगा। पढ़ाई और काम प्रभावित होंगे। नींद प्रभावित होगी। यदि सोता है तो ऑनलाइन गेम्स या एप्लीकेशन के सपने देखेगा। गेम खेलने से मना करने पर ग़ुस्सा करेगा। बहस करने के बावजूद खेलना बंद नहीं करेगा। बच्चा उल्टे जवाब भी देगा। हाथापाई भी कर सकता है।

## मध्यस्थता जागरूकता शिविर का आयोजन

# आमजन को किया गया जागरूक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और मध्यस्थता एवं सुलह समिति के निर्देशों के अनुसार प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर श्रीमती माया विश्वलाल के मार्गदर्शन में 01.07.2025 से 07.10.2025 तक राष्ट्र के लिए ''मध्यस्थता'' नामक एक विशेष अखिल भारतीय अभियान शुरू किया गया। इस 90-दिवसीय गहन मध्यस्थता अभियान का उद्देश्य राज्य भर में तालुका न्यायालयों से लेकर उच्च न्यायालयों तक न्यायपालिका के सभी स्तरों पर मध्यस्थता के माध्यम से लंबित मामलों का निपटारा करना था। इस अभियान के अर्न्तगत सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विनोद कुमार वर्मा एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटैल द्वारा पैरालीगल वालेंटियर्स के सहयोग से जिले भर में मध्यस्थता जागरूकता शिविर का आयोजन दूरस्थ ग्रामों तक किया जाकर आमजन को जागरूक किया। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा की प्रेरणा से तथा मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन के कुशल मार्गदर्शन में यह अभियान न्यायालयों में लंबित मामलों को उचित ढंग से सुलझाने तथा मध्य प्रदेश के हर कोने में विवाद समाधान के एक उपयोगकर्ता-अनुकूल तरीके के रूप में मध्यस्थता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाया गया। अभियान के दौरान, मध्यस्थता के माध्यम से अनूपपुर जिले के न्यायालयों द्वारा कुल 44 मामलों के निराकरण के साथ देश भर में कुल 4,552 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया, जिनमें काफी संख्या में लंबे समय से लंबित पुराने मामले भी शामिल थे। निपटाए गए मामलों में वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावे, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस मामले, आपराधिक समझौता योग्य मामले, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, बंटवारा, बेदखली, भूमि अधिग्रहण और अन्य संबंधित दीवानी मामले शामिल थे। उल्लेखनीय है कि ''राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान'' नालसा और सर्वोच्च न्यायालय की मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति द्वारा 1 जुलाई, 2025 से शुरू होने वाला एक राष्ट्रव्यापी 90-दिवसीय अभियान है। इसका उद्देश्य मध्यस्थता के माध्यम से लंबित मामलों के समाधान में तेजी लाना और लागत-कुशल तथा समय-बचत विवाद समाधान तंत्र के रूप में इसकी प्रभावशीलता के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना है। यह अभियान तालुका से लेकर उच्च न्यायालयों तक सभी न्यायालय स्तरों पर लागू किया जा रहा है और वैवाहिक, दुर्घटना, दीवानी, फौजदारी और उपभोक्ता विवादों जैसी पात्र श्रेणियों को कवर करता है, जिसमें भागीदारी के ऑनलाइन, ऑफलाइन और हाइब्रिड तरीके उपलब्ध हैं। यह अभियान विवादों को सुलझाने, अदालतों पर बोझ कम करने और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने में मध्यस्थता, संवाद और सहयोग की शक्ति को प्रदर्शित करता है।

## खैर के पेड़ों का लगातार हो रहा कत्लेआम

# ग्रामीणों ने रोकी कटाई, प्रशासन ने की जप्ती

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर तहसील अंतर्गत अगरियानार गांव के चंदहाटोला में सोमवार को लकड़ी के ठेकेदार द्वारा मध्यप्रदेश शासन की शासकीय भूमि में लगे खैर (कत्था) प्रजाति के चार पेड़ों का कत्लेआम करते देख ग्रामीणों ने रोकते हुए प्रशासन को जानकारी दी जिस पर सरपंच, वनरक्षक एवं पटवारी की उपस्थिति में जप्ती की कार्यवाही की गई। इस दौरान पेड़ काटने वाले लोग मौके से भाग गए। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार अनूपपुर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत लखनपुर के राजस्व ग्राम अगरियानार के चंदहाटोला में स्कूल के पीछे स्थित मध्यप्रदेश शासन की राजस्व की भूमि पर वर्षों पूर्व से लगे चार नग खैर (कत्था) के हरे तथा ऊंचे पेड़ों को लकड़ी के ठेकेदार द्वारा बिना किसी अनुमति एवं जानकारी के मशीनों के माध्यम से काटे जाने को देखकर ग्रामीणों ने रोकते हुए अनूपपुर तहसीलदार ईश्वर प्रधान को अवगत कराए जाने पर ग्राम पंचायत लखनपुर सरपंच रामकुमार कोल, उपसरपंच धन्नूलाल पटेल, वनरक्षक हरि नारायण पटेल, हल्का पटवारी मनीता कोल मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की उपस्थिति में अवैधानिक रूप से काटे गए चार नग खैर (कत्था) के पेड़ों की जप्ती पंचनामा बनाते हुए ग्राम पंचायत को सुरक्षा की दृष्टि से सुपुर्द किया गया मशीन से खैर के पेड़ों को काटने वाले लोग मौके से भाग गए। विदित है कि अनूपपुर तहसील के आने को ग्रामों में लकड़ी के कुछ व्यापारी बिना किसी अनुमति दस्तावेज के ग्रामीणों से कम दामों में खरीद कर खैर एवं अन्य प्रजाति के हरे एवं बड़े,ऊंचे पेडो का व्यापार कर रहे हैं जो शासकीय भूमि में भी लगे पेड़ों को भी नहीं छोड़ रहे हैं। कुछ दिन पहले वनविभाग द्वारा बड़हर से किरर मार्ग पर खैर (कत्था) की लकड़ी का अवैधानिक रूप से परिवहन करते एक पिकप को जप्त कर कार्यवाही की रही है।

# क्षेत्र स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

विभागीय जनजातीय शालेय क्षेत्र स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन अनूपपुर जिला मुख्यालय में आयोजित किया जा रहा प्रतियोगिता वर्ष 2025-26 के लिए आयोजित की गई थी और इसमें बालक/बालिका 17-19 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के आयोजक जनजाति कार्य विभाग जिला अनूपपुर है। इस अवसर पर मंच पर निर्णायक मंडल और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पत्रकार आदर्श दुबे, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सोनी, अनूपपुर भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवरतन वर्मा की उपस्थिति में शुभारंभ हुआ, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और खेल को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ियों ने भाग लिया, अनूपपुर, उमरिया, सीधी, शहडोल जिले के बालिका और बालक दोनों वर्गों की भागीदारी स्पष्ट रूप से दिखाई दी। दर्शक दीर्घा मे भीड़ थी, जो खेल के प्रति उत्साह को दर्शाती है। सभी जिले के जिला क्रीड़ा अधिकारी एवं प्रतिभागी विद्यालयों के खेल प्रशिक्षकों की उपस्थिति में प्रतियोगिता को गति प्रदान की। यह आयोजन युवाओं को खेल के माध्यम से अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है।

# इग्नटू प्रशासन ने आउट सोर्सिंग कर्मचारियों की मानी सभी मांगें

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का दो दिवसीय शांतिपूर्ण आंदोलन सफलता पूर्वक समाप्त हुआ। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कर्मचारियों की सभी प्रमुख मांगों को लिखित रूप में स्वीकार कर लिया है। इस निर्णय से कर्मचारियों में संतोष और उत्साह का माहौल है। स्वीकृत प्रमुख निर्णय मे 17-18 कर्मचारियों का गुजरात स्थानांतरण रद्द, 28 कर्मचारियों के काटे गए वेतन की वापसी का आदेश, 31 दिनों वाले माह में 27 दिन एवं 30 दिनों वाले माह में 26 दिन का वेतन भुगतान सुनिश्चित, 271 कर्मचारियों को नई टेंडर प्रक्रिया में शामिल किया गया, सभी कर्मचारियों को बीमा सुविधा उपलब्ध कराने का आदेश जारी हुआ। यह आंदोलन इग्नटू मजदूर संघ के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें आदिवासी छात्र संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. रोहित मरावी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। डॉ. मरावी के मार्गदर्शन और सहयोग से आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं रचनात्मक ढंग से संचालित हुआ। मजदूर संघ के सदस्यों ने डॉ. रोहित मरावी एवं विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि "यह सफलता कर्मचारियों की एकता, संगठन की मजबूती और सामूहिक संघर्ष की जीत है।" कर्मचारियों ने विश्वास जताया कि प्रशासनिक स्तर पर लिए गए ये निर्णय भविष्य में श्रमिकों के अधिकारों और सम्मान को और सशक्त करेंगे।

# अमरकंटक की पावन वादियों में वर्षा का रसमय आलिंगन बारिश से जीवन प्रभावित, पर आस्था अडिग

**हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।** मध्यप्रदेश की पवित्र नगरी अमरकंटक इन दिनों मानो वर्षा के अनवरत संगीत में भीग रही है। प्रतिदिन कभी रिमझिम फुहारें, तो कभी झमाझम बरसात यहाँ की वादियों को मधुर गान-सा आलोकित कर रही हैं। शारदीय नवरात्र से आरंभ हुआ यह सावन-सा उल्लास अभी थमा नहीं है। हर सुबह, हर संध्या और हर रात्रि वर्षा का कोई न कोई रूप धरती को आलोकित कर जाता है। क्वार मास विदा लेने को है और कार्तिक मास का पावन आगमन 8 अक्टूबर से होने जा रहा है, किंतु आकाश अब भी अपने जलधरों को रोक नहीं पा रहा। वर्षा के इस सिलसिले ने अमरकंटक का वातावरण इतना मोहक बना दिया है कि वादियां हर समय किसी नववधू-सी सज धजकर मुस्कुरा उठती हैं।

**बारिश से जीवन प्रभावित, पर आस्था अडिग-** इस निरंतर बरसात ने जहाँ किसानों की सब्ज़ी की फसलों पर असर डाला है, वहीं स्थानीय व्यापार भी इससे अछूता नहीं रहा। रविवार का साप्ताहिक बाजार बारिश की बूँदों में बहकर अधूरा रह गया। व्यापारी मायूस हुए, ग्राहक खाली हाथ लौटे। परन्तु, आस्था के दीपक इस वर्षा में भी बुझने नहीं पाए। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने माँ नर्मदा की गोद में उतरकर पवित्र स्नान किया और स्नान-दान से पुण्य अर्जित किया। वर्षा की बूँदें मानो भक्तों के साथ मिलकर नर्मदा स्नान की महिमा गा रही थीं।

**पर्यटन पर असर, पर वादियाँ बनीं सौंदर्य का मंदिर-** असमय हुई इन वर्षा की धाराओं ने पर्यटन कारोबार को प्रभावित किया है। प्रायः कार्तिक मास में पश्चिम बंगाल से बड़ी संख्या में तीर्थयात्री अमरकंटक पहुँचते हैं, किंतु इस बार यात्रियों के मन में वर्षा की बाधाओं से घिर जाने का संशय है। फिर भी, प्रकृति का सौंदर्य इन शंकाओं पर भारी पड़ रहा है। हरी-भरी वादियों में लिपटी धुंध, झरनों की गूंज और नर्मदा की कलकल धारा इस नगरी को स्वर्गिक स्वरूप प्रदान कर रही है। आज की बरसात केवल मौसम का परिवर्तन नहीं, बल्कि प्रकृति का आशीष है। अमरकंटक की हवाएँ भिगोई हुई मिट्टी की महक में रची-बसी हैं। आकाश से गिरती बूँदें यहाँ की भूमि को पवित्रता का वरदान दे रही हैं। इस बरसात ने अमरकंटक को केवल भौतिक रूप से नहीं, बल्कि आध्यात्मिक रूप से भी आलोकित कर दिया है।